

सफलता की कहानी

किसान का नाम	— रविन्द्रनाथ महतो
पिता का नाम	— लखीकान्त महतो
ग्राम	— चन्द्ररेखा
पंचायत	— उल्दा
प्रखण्ड	— घाटशिला
जिला	— पूर्वी सिंहभूम

रविन्द्रनाथ महतो घाटशिला कॉलेज से 1995 में गेजुएशन की पढ़ाई पूर्ण की। पढ़ाई पूर्ण होने के उपरान्त इनका रुझान खेती की ओर बढ़ा और खेती से ही अपने परिवार का भरण-पोषण करने लगे। 2003 में पारा टीचर के पद पर अपने ही पंचायत के विद्यालय में नियुक्त हो गये। मानदेय कम होने के कारण शिक्षण कार्य के साथ-साथ इनका रुझान फिर खेती की ओर बढ़ा और खेती कार्य में लग गये। तकनीकी जानकारी का अभाव के कारण खेती का कार्य सूचारु रूप से नहीं कर पा रहे थे।

रविन्द्रनाथ महतो ने प्रखण्ड के कृषि विभागीय आत्मा कर्मों से संपर्क स्थापित किया। आत्मा कर्मियों ने उन्हें आत्मा द्वारा संचालित किसानोपयोगी योजना के बारे में जानकारी दी। आत्मा द्वारा संचालित प्रशिक्षण, परिभ्रमण में भाग लेने के उपरान्त उन्हें कई तकनीकी जानकारी प्राप्त हुआ तब जाकर इन्होंने खरीफ मौसम में धान की खेती श्रीविधि तकनीक का प्रयोग किया। जिससे उनका लागत कम और उत्पादन ज्यादा हुआ।

रबी मौसम में सब्जी की खेती करना भी प्रारम्भ कर दिये। आत्मा कर्मियों के सहयोग से 100 X 100 फीट तालाब का निर्माण भी कराया। सिंचाई की व्यवस्था होने के उपरान्त रबी और गरमा मौसम में भी सब्जी की खेती प्रारम्भ कर दिये साथ ही मछली पालन भी। मछली पालन में कठिनाई होने पर आत्मा कर्मियों द्वारा मत्स्य विभाग से संपर्क स्थापित करा दिया गया।

रविन्द्रनाथ उन्नत नस्ल के देशी मुर्गा पालन का किये है। इस नस्ल के मुर्गा का बाजार में अच्छा मांग है जिससे इनको मुर्गा पालन से अतिरिक्त आय होता है।

रविन्द्रनाथ महतो को खरीफ मौसम में धान से सालभर खाने के लिए चावल प्राप्त होता है जिससे 70-80 हजार रुपये का बचत होता है।

रबी में टमाटर, फुलगोभी, पत्तागोभी की खेती किये है जिससे इनको 40-50 हजार रुपये की मुनाफा हुआ है।

गरमा मौसम में नेनुआ, लौकी, झींगा, करेला की खेती करते है जिससे इनको 30-40 हजार रुपये आय प्राप्त हुआ। मछली पालन से 30-40 हजार रुपये आय प्राप्त हुआ। मुर्गा पालन से 40-50 हजार रुपये आय प्राप्त होता है।

ये अपने उत्पाद को गालुडीह बाजार में ही बेच देते है। इस प्रकार रविन्द्रनाथ महतो को सलाना 2 से 2.50 रुपये आमदनी धान की खेती, सब्जी की खेती एवं मत्स्य पालन, मुर्गा पालन से हो जाता है।

रविन्द्रनाथ महतो की खेती का छायाचित्र

